नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का मासिक मुखपत्र

अक्टूबर, 2024 अंक 315

अध्यक्षीय कार्यालय :
SARITA DAGA
45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar,Jaipur-302017
Mob.: 9413339841
Email: president@abtmm.org

अध्यक्षीय आह्वान

प्रिय बहिनों,

सादर जय जिनेन्द्र !

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में 49वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन 'संरक्षणम्' 20-21-22 सितम्बर, 2024 को हीरों की नगरी सूरत में तेरापंथ के कोहिनूर, शक्तिपुञ्ज परम श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी से मंगल आशीर्वाद रूपी ओज आहार लेकर, बौद्धिकता की प्रतिरूप श्रद्धेया साध्वी प्रमुखाश्रीजी का मार्गदर्शन पाकर, एवं साध्वीवर्याजी से ऊर्जा लेकर मंडल की आध्यात्मिक प्रभारी शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी की प्रेरणा से एवं आप सभी के स्नेह सिंचन से 'संरक्षणम्' 49वां महिला अधिवेशन सानन्द सम्पन्न हुआ। गुरु की करुणा अपरम्पार होती है। इसका प्रत्यक्ष अनुभव हमने किया। पूज्य गुरुदेव ने हमें दो सत्रों में पावन सान्निध्य प्रदान कर कृतार्थ कर दिया। उस समय मैंने महसूस किया कि वहाँ उपस्थित बहिनों के हृदय का अणु-अणु कृतज्ञता व्यक्त कर रहा था। बहिनों का हौसला बुलंद करने तथा उनमें अनन्त ऊर्जा का संप्रेषण करने हेतु साध्वी प्रमुखाश्रीजी का सान्निध्य तो मिला ही साथ ही साथ साध्वी प्रमुखाश्रीजी का निकटतम सान्निध्य पाकर बहिनें निहाल हो गई और अपने मन की बात कर निर्भार हो गई।

इस 49वें राष्ट्रीय महिला अधिवेशन 'संरक्षणम्' में 286 क्षेत्रों से लगभग 1000 बहिनें सहभागी बनी। इस वर्ष 49 नव शाखा मंडलों का गठन हुआ, जिसमें से 41 नये शाखा मंडलों की बहिनें प्रथम बार सम्भागी बनी। युग प्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर आधारित अत्याधुनिक म्यूजियम महाश्रमण दर्शन का अवलोकन लगभग 950 प्रतिनिधि बहिनों ने किया एवं तत्पश्चात आचार, विचार, व्यवहार और अध्यात्म के संरक्षण के उद्देश्य से कदम 'संरक्षणम्' मंजिल की ओर गतिशील हुए।

बहिनों! आपके बढ़ते हुए कदमों की गूंज जब गति-प्रगति प्रतिवेदन में अंकित की गई, उसे देखकर सात्विक प्रसन्नता की अनुभूति हुई। कितना श्रम किया है हमारी बहिनों ने! आपकी कर्मजा शक्ति को सादर नमन करती हूँ। संस्था एवं नेतृत्व के प्रति आप सभी के समर्पण भाव को देखकर गौरव की अनुभूति होती है। मैं अभिभूत हूँ- आप सभी से आत्मीय स्नेह और वात्सल्य पाकर। अधिवेशन में आप सभी ने जिस अनुशासन एवं शालीनता का परिचय देते हुए प्रत्येक सत्र में समयबद्ध उपस्थित रहकर कर्त्तव्यनिष्ठा को उजागर किया वह वास्तव में प्रशंसनीय है। बहिनों, अधिवेशन के समय आपके भीतर जिज्ञासाओं का ज्वार उमड़ रहा होगा, मगर समयाभाव में हम उसका समुचित समाधान नहीं दे पाये हो, प्रगति प्रतिवेदन में यदि आपके कार्यों का समुचित उल्लेख नहीं कर पाए हो या किसी शाखा मंडल का नामोल्लेख भी नहीं कर पाये हो या अन्य कोई त्रुटि रही हो, तो सहृदय क्षमाप्रार्थी हूँ। आशा करती हूँ कि पूज्य गुरुदेव से शक्ति प्राप्त कर आपने अपनी सोच को व्यापक बना ली होगी। छोटी-छोटी बातों में उलझकर दिल को मायूस नहीं करेगी। गुरु सन्निधि में हमने वर्षभर की कामयाबी का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया और संकल्पित हुए नव सृजन के लिए।

क्रमशः पृष्ठ 2 पर

गत पृष्ठ से आगे...

अध्यक्षीय आह्वान...

आत्मशुद्धि एवं ऊर्जा के विकास का प्रतीक नवरात्रा का पर्व एवं अंधेरे से उजास की ओर ले जाता दीपमालिका का उज्वलतम अवसर हमारे सामने है। भगवान महावीर एवं मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवनवृत्त को याद कर हम अपने अन्तरंग एवं बाहरी दोनों व्यक्तित्व को अध्यात्म से उन्नत बनाकर नैतिकता की रोशनी से आलोकित करने का प्रयास करें। नारी जाति के पुनरुद्धारक आचार्यश्री तुलसी की जन्म जयंती पर उनके असीम उपकारों का स्मरण करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का संकल्प लें।

ज्योति पर्व पर अंतर्मन में, दृढ़ श्रद्धा का दीप जलाएं।
स्वयं प्रकाशित ब्रह्मतुल्य होकर, हम ज्योतिर्मय बन जाए॥

एक बार पुनः कृतज्ञता-अभिनंदन एवं आभार के भावों के साथ-

शुभाकांक्षी
Sarita Daga
सरिता डागा

कृतज्ञता एवं आभार के स्वर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 49वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन 'संरक्षणम्' परम पूज्य आचार्य प्रवर की पावन सान्निधि में संयम विहार, सूरत में समायोजित हुआ- परम पूज्य आचार्य प्रवर के आभा मंडल का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। हमारे अनन्त ऊर्जा स्त्रोत, तीर्थंकर के प्रतिनिधि आचार्य श्री महाश्रमणजी ने अपने मंगल आशीर्वचन एवं अमृत देशना से हम सबको कृत-कृत कर दिया। आपका पावन आभावलय देशभर से समागत प्रतिनिधि बहिनों के लिए अंतश्चेतना का अक्षय स्त्रोत बन गया। समस्त महिला शक्ति की ओर से श्रीचरणों में कोटिशः कृतज्ञता अर्पित करते है।

कृतज्ञता के स्वर अर्पित करते है वात्सल्य की प्रतिमूर्ति श्रद्धेय साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के प्रति जिनकी वत्सलता एवं प्रेरक उद्बोधन तथा सतत् मार्गदर्शन से नव ऊर्जा का संचार हुआ। प्रत्येक सत्र में आपका पावन सान्निध्य हम सबके विकास का आधार स्तम्भ बना।

श्रद्धेय मुख्य मुनि प्रवर एवं श्रद्धेय साध्वीवर्याजी की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के लिए विनम्र भाव से कृतज्ञता। कृतज्ञता व्यक्त करते है मंडल की आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलताजी के प्रति- जिनका प्रखर चिंतन एवं पथदर्शन संस्था के आरोहण में योगभूत बना। विभिन्न चारित्रात्माओं ने अधिवेशन के सत्रों में प्रेरक वक्तव्य से प्रशिक्षण प्रदान किया, सबके प्रति सविनय कृतज्ञता। कृतज्ञता समस्त चारित्रात्माओं व समणीवृन्द के प्रति, जिनका प्रत्यक्ष, परोक्ष मार्गदर्शन सदैव मिल रहा है।

सहृदय आभार व्यक्त करते है महामहिम राज्यपाल गुजरात आचार्य देवव्रत जी के प्रति जिनकी गौरवमय उपस्थिति एवं प्रेरक उद्बोधन ने हम सबको प्रोत्साहित किया।

हार्दिक आभार अभातेममं की पुरुषार्थमयी टीम के प्रति जिनका संकल्प एवं श्रम अधिवेशन की सफलता में निमित्त बना। देश-विदेश के विभिन्न कोनों से उपस्थित प्रतिनिधि बहिनों के प्रति आभार जिनकी गरिमामय उपस्थिति ने अधिवेशन को सफल बनाया।

अधिवेशन की व्यवस्थाओं में आचार्य महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति, सूरत की पूरी टीम ने सहयोग प्रदान किया, अनन्त आभार।

आभार के स्वर हमारी अपनी तेरापंथ महिला मंडल, सूरत एवं तेरापंथ कन्या मंडल, सूरत की बहिनों के प्रति, जिनकी श्रमनिष्ठा अधिवेशन की सफलता में सहभागी बनी।

आभार व्यक्त करते है उन उदारमना परिवारों के प्रति जिनका उदार सहयोग मंडल की आर्थिक निश्चिंतता का आधार बना।

अधिवेशन को जनव्यापी बनाने में सहयोगी रहे प्रिंट मीडिया एवं सोशियल मीडिया- स्थानीय पत्रकार, समाचार पत्र अमृतवाणी, जैन तेरापंथ न्यूज, संघ संवाद, संघ सेवक, प्रेरणा पथ, अहिंसा क्रांति, ARDH आदि ग्रुप्स के प्रति हार्दिक आभार।

समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी, टीम एवं कार्यरत कार्यकर्ताओं के प्रति भी उनके द्वारा प्रदत्त सहयोग के लिए हार्दिक आभार। पूरे श्रावक-श्राविका समाज के प्रति भी प्रत्यक्ष-परोक्ष मिले सहयोग हेतु अंतर्मन आभार।

तेरापंथ महिला मंडल : माह अक्टूबर - करणीय कार्य

2024 की दीपावली : खुशियों की दीपावली

इस दीपावली, न केवल हमारे घरों को बल्कि हमारे मन और समाज को भी स्वच्छ, सशक्त और खुशहाल का संकल्प लें। इस दीपावली को मनाएं कुछ इस तरह-

कार्यक्रम का उद्देश्य :

* समाज की महिलाएं केवल बाहरी रूप से नहीं, आंतरिक रूप से भी स्वच्छता और सेवा का भाव लेकर चलें।
* कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की मदद करके एक सुखी और समृद्ध समाज की दिशा में कदम बढ़ाएं।

कार्यक्रम की रूपरेखा :

1. महिलाओं के लिए रंगोली प्रतियोगिता, जिसमें 'अनासक्त भावना' और 'स्वच्छता' जैसे विषय हो (आपके क्षेत्र की 1 श्रेष्ठ रंगोली की फोटो संयोजिका को प्रेषित करे, सर्वश्रेष्ठ 10 रंगोली का चयन किया जाएगा)।
2. प्रशिक्षण: **Declutter & Donation Drive** अर्थात 'अनासक्त भावना का विकास' (वस्तुओं और मन दोनों से जुड़ा एक कदम)।

* महिलाओं के लिए एक विशेष सेशन, जहाँ उनके अपने घर के अतिरिक्त वस्त्र, खिलौने, किताबें और अन्य उपयोगी सामान का विसर्जन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए तथा उन्हें जरूरतमंद को वितरित करने की ओर सार्थक कदम बढ़ाए जाएं।
* प्रेरक वक्तव्य और संवाद सत्र चारित्रात्माओं द्वारा 'आत्मा का विमोचन' विषय पर विचार-विमर्श।
* महिलाओं को क्षमा के अभ्यास के लिए प्रेरित करें जहाँ वे अपने जीवन के दुर्व्यवहार के लिए क्षमा कर सके।

4. प्रकाश पर्व :

* हर महिला को एक दीपक दिया जाए, जिससे वे मन और आत्मा की शुद्धि का प्रतीकात्मक दीप प्रज्वलन करे।
* दीप प्रज्वलन के साथ संकल्प करें कि वे किसी एक व्यक्ति को क्षमा करें, मन से सभी विकारों को दूर करें।

संयोजिका- श्रीमती प्रीति घोसल- 8800216397.

अनुष्ठान प्रारूप

भगवान महावीर की आराधना करते हुए प्रत्येक शाखा मंडल से निवेदन हैकि एक सामायिक के साथ अनुष्ठान संपादित करें।

महावीर अष्टकम्	07 मिनट
लोगस्स ध्यान (चारों दिशाओं में एक-एक लोगस्स)	08 मिनट
भगवान महावीर जप (महावीर स्वामी केवल ज्ञानी, गौतम स्वामी चवनाणी)	10 मिनट
'मंगल भावना' का जप	10 मिनट
'ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं महावीराय नमः' की एक माला	10 मिनट
'जय महावीर भगवान' गीतिका संगान	03 मिनट

तेरापंथ कन्या मंडल - हमारी कन्याएं : हमारी धरोहर

अक्टूबर माह करणीय कार्य : **Fiesta of Lights**

Task-1 : Waste to Wealth Competition

प्रतियोगिता से संबंधित दिशा-निर्देश :

* अपने घरों में दिवाली के समय निकले हुए वेस्ट मैटेरियल से कन्याएं सजावट की कुछ मनमोहक कलाकृति बनाएं, जैसे- वंदनवार, पूजा की थाल, वॉल हैंगिंग, थालपोश, दीये आदि।

  कन्याओं द्वारा प्रदत्त प्रतिकृतियों की प्रदर्शनी लगाएं एवं सर्वश्रेष्ठ कलाकृति को पुरस्कृत करें। सम्भवतः हर क्षेत्र की एक सर्वश्रेष्ठ कलाकृति को संकलित कर आगामी अधिवेशन में इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी (**Exhibition**) का आयोजन किया जा सकेगा।
* कन्याओं द्वारा निर्मित इन सुंदर कलाकृतियों को आप **sale** करें और उससे जो अर्थ या राशि प्राप्त हो, उससे जरूरतमंद बच्चों एवं आवश्यक लोगों को उपहार देकर उनकी दीपावली को खुशियों से भर दें।

Task-2 : खुशियों के रंग, रंगोली के संग :

Rangoli Making Competition

* **Exhibition** के दिन हर क्षेत्र में रंगोली कम्पीटिशन का आयोजन हो। कन्याएं दो से चार के ग्रुप में भाग लेकर रंगोली बनाएं।
* सर्वश्रेष्ठ कलाकृति को पुरस्कृत करें।
* **Crackers** नहीं जलाने के संकल्प एवं त्याग की प्रेरणा दें। इस संकल्प के लिए एक गूगल फॉर्म **Whatsapp** से प्रेषित किया जायेगा।

Note : Exhibition एवं रंगोली प्रतियोगिता का 2 **minutes** का संयुक्त वीडियो एवं 4 फोटोज संयोजिका को प्रेषित करें।

अंतिम तिथि : 25 अक्टूबर, 2024

संयोजिका : अंकिता जैन- 8368589899.

प्रेक्षा प्रवाह : शांति एवं शक्ति की ओर

आज के दौर में प्रेक्षाध्यान केवल एक ध्यान विधि नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है– जो उन्हें मानसिक शांति, शारीरिक स्वास्थ्य और आंतरिक शक्ति के जागरण की दिशा में अग्रसर करती है।

करणीय कार्य :

महिलाओं के लिए वर्तमान समय में प्रेक्षाध्यान की अत्यधिक उपयोगिता है, चाहे वह गृहिणी हो, कामकाजी महिलाएं या विद्यार्थी, सभी के लिए प्रेक्षाध्यान अत्यंत उपयोगी और प्रभावी है, क्योंकि यह न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है अपितु आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, पारिवारिक जिम्मेदारियों और सामाजिक दबावों के बीच महिलाओं को आंतरिक शांति और भावनात्मक संतुलन प्रदान करता है।

परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी ने इस वर्ष को 'प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष' के रूप में घोषित किया है। आचार्य महाप्रज्ञजी द्वारा प्रणीत इस पद्धति को आचार्य महाश्रमणजी के नेतृत्व में, विश्वभर में मान्यता मिली है और यह न केवल आध्यात्मिक साधकों के लिए बल्कि आम व्यक्ति के लिए भी एक सरल और प्रभावी ध्यान विधि बन चुकी है।

कार्यक्रम की रूपरेखा :

1. अखिल भारतीय स्तर पर प्रति माह **Zoom** पर कार्यशाला का आयोजन।
2. क्षेत्रीय स्तर पर आयोजन

   प्रेक्षा गीत का संगान

   प्रेक्षाध्यान और महिलाएं

   A. मानसिक शांति और तनाव प्रबंधन

   B समग्र जीवनशैली का सुधार

   C. Improve Healthy Relationship

   D. सकारात्मक सोच का विकास

   E. पारिवारिक और सामाजिक स्वस्थ सम्बन्धों के वातावरण का निर्माण

प्रेक्षा प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण–

A. कायोत्सर्ग

B. समताल श्वास प्रेक्षा

C. दीर्घ श्वास प्रेक्षा

D. अनुप्रेक्षा का प्रयोग

- **Preksha Meditation App** की जानकारी तथा इसके लाभों से अगवत करवाना।
- **Deep Meditation**– प्रतिदिन 30 मिनट ध्यान हेतु संकल्पित होना।
- प्रेक्षाध्यान के लिए नियमित अभ्यास के अनुभव की प्रस्तुति।

अधिक जानकारी हेतु

संयोजिका श्रीमती वीणा बैद, मो. 9448063260 से सम्पर्क करें।

सत्र 2023-2025 के द्वितीय वर्ष में आयोज्य कार्यशालाओं के नवीन विषय

आंचलिक कार्यशालाएं	क्षेत्रीय कार्यशालाएं
संरक्षणम्	लक्ष्य

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का अनूठा उपक्रम

Spiritual Enhancement Program

90 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स (ऑनलाइन)

अंग्रेजी एवं हिन्दी में उपलब्ध

- कन्याओं एवं युवतियों के लिए **SEP** एक विशेष कोर्स।
- कोर्स द्वारा जैन धर्म और तेरापंथ धर्मसंघ की बुनियादी समझ।
- जैन धर्म के मुख्य सिद्धांत, मूल्य और इतिहास को समझने का सुनहरा अवसर।
- तेरापंथ परम्परा की मुख्य विशेषताओं से परिचय।
- रोमांचक पाठ, रोचक मॉक और अंतिम परीक्षाएं।
- इसका उद्देश्य जैन धर्म के समृद्ध, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर के प्रति चेतना जागृत करना एवं जीवन में इन शिक्षाओं को ग्रहण करना।
- अंग्रेजी एवं हिन्दी द्विभाषी उपलब्धता (इच्छानुसार कोर्स को हिंदी से अंग्रेजी या अंग्रेजी से हिंदी में बदला जा सकता है)।

सर्टिफिकेशन जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं द्वारा किया जाएगा।

पाठ्यक्रम

- जैन धर्म का प्रवेश द्वार।
- जैन धर्म के आधार स्तम्भ- 'अ^3' -अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकान्त
- कर्म सिद्धान्त : जीवन की शक्ति- जीवन का स्रोत
- मृत्यु पश्चात् आप कहाँ जाओगे?
- तेरापंथ के हस्ताक्षर
- मेरी आस्था : मेरी शक्ति

कोर्स केवल ऑनलाइन (App के माध्यम से)- लिंक क्लिक करें अथवा QR Code स्केन करें।

:: एन्ड्रॉइड प्ले स्टोर (Android Play Store) :

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.abtmm.sep

:: एप्पल एप्पस्टोर (Apple App Store) :

https://apps.apple.com/app/terapanth-mahila-mandals-sep/id6651834787

कोर्स शुल्क मात्र रु. 500

यदि कोर्स 90 दिन में पूर्ण नहीं होता है तो अगले 90 दिन के रियायती अवधि हेतु नवीनीकरण शुल्क मात्र रु. 100.

एप्प संबंधित प्रक्रिया

- सर्वप्रथम प्रतिभागी अपने फोन के अनुसार उपरोक्त लिंक पर **Click** करें।
- एप्प को **install** करने के पश्चात् प्रतिभागी पहले **create new user** पर **click** करें और पूरा फॉर्म भरें। उस फॉर्म में आधार कार्ड या दसवीं की मार्कशीट भरनी अति आवश्यक है।
- फॉर्म भरने के बाद प्रतिभागी से कोर्स की फीस (रु. 500) मांगी जाएगी। **Online payment** के बाद आपका कोर्स प्रारम्भ हो जाएगा।
- ध्यातव्य है कि **payment** नहीं करने पर प्रतिभागी को मॉड्यूल सतही तौर पर दिखाई देंगे पर भीतर प्रवेश नहीं पा सकेंगे।
- इस कोर्स में छः मॉड्यूल है, जिनमें **Hinglish** में **pre-recorded video** और मॉड्यूल की **gist** हिन्दी और अंग्रेजी में अलग-अलग दी गई है। प्रत्येक मॉड्यूल के वीडियो को प्रतिभागी अपनी सुविधानुसार अच्छी तरह से देखने-सुनने के पश्चात् उस मॉड्यूल का **mock-test** देना होगा। **mock-test** में **pass** होने के बाद ही उसी मॉड्यूल का **final test** दे पाएंगे। मॉड्यूल के **final test** को **pass** करने के बाद ही प्रतिभागी अगले मॉड्यूल में प्रवेश पा सकते हैं। हर टेस्ट में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 40% अंक लाने आवश्यक है।
- प्रतिभागी जब भी चाहें, कोर्स की भाषा को हिन्दी या अंग्रेजी में बदल सकते है। इसके लिए **profile section** में **choose language option** में भाषा **select** करनी होगी।
- इस तरह छः मॉड्यूल पूर्ण होने पर कोर्स सम्पन्न हो जाएगा और जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) द्वारा प्रतिभागी को कोर्स सम्पन्नता का सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

अधिक जानकारी हेतु सह-संयोजिकाओं से सम्पर्क करें :

राजस्थान, गोआ, मेघालय, सिक्किम, नेपाल एवं अन्य राष्ट्र	डॉ. वन्दना बरड़िया- 9828729792
महाराष्ट्र, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल	श्रीमती निर्मला चण्डालिया- 9819418492
गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, बिहार	श्रीमती जयश्री जोगड़- 9028284801
पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, पश्चिम बंगाल, असम	श्रीमती अर्चना भंडारी- 9810011500

राष्ट्रीय संयोजिका : श्रीमती नीलम सेठिया- 9952426060

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
सत्र 2023-2025 हेतु नव-मनोनीत सदस्य

ट्रस्टी

श्रीमती आरती कठोतिया एवं **श्रीमती सोनाली पटावरी**

मुम्बई — दिल्ली

हार्दिक बधाई एवं अभिनन्दन

संरक्षणम्

अभातेममं. का 49वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

'संरक्षणम्'

20-21-22 सितम्बर, 2024- सूरत

20 सितम्बर, 2024

प्रथम सत्र : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में 49वें राष्ट्रीय महिला अधिवेशन का शुभारम्भ परम पूज्य **आचार्यश्री महाश्रमणजी** की पावन सान्निधि में नमस्कार महामंत्र के संगान के साथ सूरत में हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्रीमती सरिता डागा**, चीफ ट्रस्टी **श्रीमती पुष्पा बैंगानी**, महामंत्री **श्रीमती नीतू ओस्तवाल** द्वारा देश के कोने-कोने से 1000 से अधिक प्रतिनिधि बहिनों की उपस्थिति में अधिवेशन के लोगो (Logo) **'संरक्षणम्'** का अनावरण किया गया।

उद्घाटन सत्र में परम पूज्य **आचार्यश्री महाश्रमणजी** ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि समाज के कार्यों में स्त्री और पुरुष का योगदान तो होता ही है लेकिन महिला समाज का योगदान खास रहता है। आचार्य भिक्षु से लेकर **आचार्य तुलसी** तक महिला विकास के अनेकों प्रयास हुए। गुरुदेव श्री तुलसी की पावन अनुशासना में महिलाओं के लिए एक संगठन बना- अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, इस संगठन के माध्यम से प्रतीत होता है कि महिला मंडल का बहुत विकास हुआ है। जितना महिला मंडल का विकास हुआ है वैसा ही विकास साध्वी समाज का भी हुआ है। आज धर्म के क्षेत्र में साध्वी समाज की संख्या पुरुष वर्ग या साधु समाज से अधिक है। इस अवसर पर **साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी** ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में कहा कि भारत का इतिहास महिलाओं के गौरव को अभिव्यक्त कर रहा है। भारतीय नारी को सम्मानपूर्ण दृष्टि से देखा जाता रहा है फिर नारी को चारदिवारी में कैद क्यों रखा गया। पहले जिन क्षेत्रों में हमारी महिलाओं ने प्रवेश ही नहीं किया, आज हर क्षेत्र में कामयाबी हासिल कर रही है। 50-60 वर्ष पूर्व महिलाओं की ऐसी विशाल परिषद नहीं थी। आपने आगे फरमाया कि महिला मंडल की अन्यान्य योजनाओं के साथ एक योजना चल रही है, **'समृद्ध राष्ट्र निर्माण योजना'**। उसके तहत महिलाएं अपना सक्रिय योगदान दे रही है। आज महिलाएं सिर्फ **Career Oriented** ही नहीं बल्कि **Culture Oriented** भी है।

सत्र के प्रारंभ में तेमम, गंगाशहर व बीकानेर की बहिनों द्वारा सुमधुर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्रीमती सरिता डागा** ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि मंडल के इस राष्ट्रीय महिला अधिवेशन के प्रथम सत्र में परम पूज्य

आचार्य प्रवर की पावन सन्निधि तथा मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात के राज्यपाल महामहिम आचार्य देवव्रत जी की गरिमामयी उपस्थिति होना एक शुभ संयोग है। हम राज्यपाल महोदय से अनुरोध करते है कि आपका संरक्षण एवं स्नेह महिला समाज को हमेशा मिलता रहे। आज से पाँच दशक पूर्व जब महिलाएं घर की चारदिवारी तक सीमित थी और कुरीतियों से जकड़ी हुई थी, उस समय परम पूज्य आचार्यश्री तुलसी ने महिलाओं को प्रेरित किया और तेरापंथ महिला मंडल की स्थापना हुई। स्थापना काल में कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि महिलाओं का इतना बड़ा नेटवर्क और संगठन तैयार किया जा सकता है। आज महिलाएं स्वतंत्र रूप से इतने बड़े-बड़े प्रोजेक्ट पर समुचित कार्य कर रही है।

महामहिम राज्यपाल ने अपने ओजस्वी प्रेरक वक्तव्य में कहा कि गुरुदेव अब मैं आपके परिवार का सदस्य बन चुका हूँ। आज मुझे आपके आशीर्वाद का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। आपने तीनों काल का वर्णन करते हुए बताया कि प्राचीन काल में महिलाएं शिक्षित और प्रशिक्षित थी। मध्यकाल में उनकी स्थिति दयनीय हो गई। मेरा प्यारी बहिनों, आज के समय में नारी समाज का निर्माण करने का गौरव आपको मिला है। राष्ट्र का निर्माण कल-कारखानों से नहीं होता है। राष्ट्र का निर्माण रेल पटरियों का जाल बिछाने से नहीं होता है। राष्ट्र का निर्माण होता है वीर माता के सतित्व से, संस्कारों से राष्ट्र का निर्माण होता है। यह काम आप कर सकते है। बालक का पहला गुरु माँ है, दूसरा गुरु पिता है एवं तीसरा गुरु- गुरु है। बालक को संस्कारवान बनाया जाए। एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण करना है, राष्ट्र निर्माण में सबसे अहम भूमिका माँ की होती है। अनेक सारे

उदाहरण देते हुए आपने संस्कारों पर प्रकाश डाला। अभातेममं राष्ट्रीय पदाधिकारियों, सूरत तेरापंथी सभा एवं सूरत प्रवास व्यवस्था समिति द्वारा राज्यपाल महामहिम आचार्य देवव्रत का सम्मान किया गया। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने हार्दिक आभार व्यक्त किया एवं कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री श्रीमती रमण पटावरी ने किया।

द्वितीय सत्र : संरक्षणम् सौहार्द का : अधिवेशन के द्वितीय सत्र की शुरुआत अभातेममं की सम्पूर्ण पदाधिकारी व कार्यसमिति की बहिनों के सुमधुर गीत संगान से हुई। तत्पश्चात देश-विदेश के 23 राज्यों से उपस्थित बहिनों का स्वागत एवं परिचय नवीन तरीके से करवाया गया। सत्र का संचालन सहमंत्री डॉ. वंदना बरड़िया व श्रीमती निधि सेखानी ने पत्रकार की भूमिका द्वारा किया एवं आभार ज्ञापन रा.का.स. श्रीमती अनिता बरड़िया ने किया।

तृतीय सत्र : संरक्षण संस्था का : तेममं, भीलवाड़ा के मंगलाचरण से प्रारम्भ हुए इस सत्र में 'संरक्षणम्' थीम साँग की गायिका तेरापंथ कन्या मंडल, सूरत की सुश्री जाह्नवी बैंगानी ने अपनी सुमधुर आवाज से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने संरक्षणम् विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें संरक्षण संवर्धन का विकास करना है। बहिनों को अधिक से अधिक तत्त्व ज्ञान अध्यात्म से जुड़े रहना है और अगर महिला समाज अपने बच्चों को सही संस्कारों का संरक्षण देगी तो एक सुंदर समाज और राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। हमें सिर्फ जननी नहीं बनना है, संपोषण करना है। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने अभातेममं की योजनाओं के साथ-साथ शाखा मंडलों के कर्त्तृत्व को भी आकर्षक रूप से प्रतिवेदन के रूप में प्रस्तुत किया। सभी योजनाओं की संयोजिकाओं ने अपने विचारों की सारगर्भित प्रस्तुति दी। बहिनों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया

गया। इस सत्र का कुशल संचालन राकास श्रीमती मधु देरासरिया ने एवं आभार श्रीमती राखी बैद ने किया।

द्वितीय दिवस : 21 सितम्बर, 2024

प्रथम सत्रः 'संरक्षण- सम्यक्त्व एवं व्रत का' – महावीर समवसरण में विराजित परम पावन गुरुदेव के मंगल सान्निध्य में कार्यक्रम का शुभारंभ तेममं, सूरत के मंगलाचरण द्वारा हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने पूज्य प्रवर के चरणों में पूरी महिला समाज की ओर से नमन करते हुए अपने भावपूर्ण वक्तव्य में कहा- मैं स्वयं को सौभाग्यशाली समझती हूँ कि आपश्री का करुणामयी वात्सल्य हमें प्राप्त हुआ। आपने कहा- आपका आशीर्वाद लेकर इस संस्था का अध्यक्षीय दायित्व ग्रहण किया। गुरुदेव आप द्वारा प्रदत्त शक्ति एवं ऊर्जा से ही मेरे और पूरे महिला संगठन के भीतर ऊर्जा का प्रस्फुटन हुआ। अब इस संगठन की शाखाएं 500 से भी ज्यादा हो गई है क्योंकि इस वर्ष 49 नये शाखा मंडलों का गठन हुआ। गुरुदेव आपके आशीर्वाद से कन्याओं के प्रशिक्षण के लिए चार आंचलिक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। मंडल द्वारा कृत कार्यों की जानकारी देते हुए आपने कहा कि गुरुदेव संरक्षण हमारा पहला कदम है, आगे हमारा ध्येय है संवर्धनम्- अभातेममं आपके संरक्षण में आगे बढ़ती रहे, ऐसी हम मंगल कामना करते है। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने शाखा मंडलों के कर्तृत्व को उजागर करते हुए प्रतिवेदन के रूप में प्रस्तुत किया। चारों योजनाओं के अंतर्गत चल रहे सभी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, संरक्षिकागण, ट्रस्टीगण द्वारा वर्ष 2023-24 का प्रतिवेदन गुरु चरणों में समर्पित किया गया। इस अवसर पर सुश्री कमला कठोतिया को श्राविका गौरव अलंकरण एवं श्रीमती तारा दूगड़ एवं सुश्री नीतू चोपड़ा को 'सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। प्रशस्ति पत्र का वाचन क्रमशः श्रीमती पुष्पा बैद, श्रीमती शांता पुगलिया एवं श्रीमती सुमन नाहटा द्वारा किया गया। सुश्री कमला कठोतिया, श्रीमती तारा दूगड़ व सुश्री नीतू चोपड़ा ने अपने भावपूर्ण हृदयोद्गार व्यक्त किए।

सत्र को सम्बोधित करते हुए साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने फरमाया कि महिला मंडल आरोहण करता हुआ नित नए पायदानों को छुए। परम पूज्य आचार्य प्रवर ने अपने पावन पाथेय में फरमाया कि पाँच संघीय संस्थाओं में एकमात्र अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ऐसी संस्था है, जहाँ महिलाओं का सर्वांगीण विकास किया जाता है। इस संस्था द्वारा समय-समय पर लौकिक कार्य के साथ-साथ आध्यात्मिक गतिविधियाँ भी संचालित होती रहती है। बहिनों द्वारा तत्त्वज्ञान आदि जो चलाया जा रहा है, उपयोगी है, विशेष बात यह है कि चारित्रात्माएं भी इस पाठ्यक्रम से जुड़कर ज्ञान का स्वाध्याय कर रही है। महिला मंडल के लिए बड़ा कार्य है कन्याओं का संपोषण करना, कन्याएं सतपथ पर आगे बढ़ती रहे, ऐसा उन्हें संपोषण मिले। आज जिन प्रतिभाओं को अलंकरण एवं पुरस्कार दिया गया, वे अपने जीवन में आगे बढ़ती रहे। आध्यात्मिक गतिविधि करती रहे। सत्र का कुशल संचालन महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने किया।

दूसरा सत्रः साधारण सदन – सत्र का मंगल शुभारंभ तेममं, हैदराबाद के मंगलाचरण द्वारा हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने मन की बात सब बहिनों के साथ शेयर करते हुए किसी भी प्रकार की कमियों के लिए सहृदय क्षमा याचना की। अभातेममं के अंतर्गत चल रहे प्रोजेक्ट के विषय पर चर्चा की। बहिनों को बताया कि किसी भी शाखा मंडल से होड़ ना करें, आपके क्षेत्र में जितनी उपयोगिता हो, उतना कार्य करें। कैंसर अभियान फरवरी महीने तक चलेगा। आप इससे जुड़े रहें। भावना सेवा के लिए बहिनों को सजग करें। ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी, **Wisdom Wednesday** जैसी क्विज के लिए क्षेत्र में बहिनों को और जागरूक करें।

नवयुवतियों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने का प्रयास करे। गत मीटिंग की कार्यवाही का वाचन महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने किया जिसकी पुष्टि की गई एवं सभी बहिनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 का आय-व्यय का ब्यौरा कोषाध्यक्ष श्रीमती तरुणा बोहरा ने प्रस्तुत किया, जिसे ओम् अर्हम की ध्वनि से पारित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा श्रीमती आरती कठोतिया एवं श्रीमती सोनाली पटावरी की ट्रस्टी के रूप में नियुक्ति की घोषणा की गई। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने बताया कि 370 क्षेत्रों से प्राप्त **Reporting** को प्रतिवेदन में समाहित किया गया है। संविधान वाचन रा.का.स. श्रीमती सुनीता जैन द्वारा प्रश्नोत्तरी के रूप में किया गया। नवगठित महिला मंडलों के अध्यक्षों को राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अध्यक्ष मेडल प्रदान किया गया। सत्र का कुशल संचालन उपाध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा ने किया

तृतीय सत्रः संरक्षण सम्बन्धों का - साध्वीवर्या सम्बुद्धयशाजी के सान्निध्य में आयोजित इस सत्र में मंगलाचरण वृहद दिल्ली महिला मंडल द्वारा किया गया। साध्वी वर्याजी ने अपने प्रेरक वक्तव्य में बताया कि सम्बन्धों का जिंदगी में बहुत महत्व है, बिना सम्बन्धों की कोई जिंदगी नहीं। रिश्तों एवं सम्बन्धों को मजबूत और मधुर बनाए रखे, रिश्तों को संरक्षण देने की जिम्मेदारी सिर्फ हमारी है। इसे निभाने की कला आनी चाहिए। कला अर्थात **Art-**

A- Affection, R- Respect, T- Trust

Affection अर्थात स्नेह, जहाँ स्नेह नहीं, वहाँ रिश्तों का मोल नहीं। एक सुंदर कहानी के माध्यम से रिश्तों में स्नेह कितना आवश्यक है, इसे समझाया। जहाँ प्रेम होता है, वहीँ बलिदान भी होता है। **Respect-** रिश्तों में विचारों, भावनाओं, ज्ञान, विशेषताओं, उपलब्धियों के प्रति आदर भाव होना चाहिए। दायित्व के प्रति सम्मान भी होना चाहिए। रेस्पेक्ट में पवित्रता तभी आती है, जब हमारे भीतर औरों के प्रति सम्मान के भाव हो। **Trust-** सम्बन्धों का महल यदि खड़ा करना है तो ट्रस्ट का होना आवश्यक है। आँख में लगा हुआ तिनका, पैर में लगा हुआ कांटा, रूई में लगी हुई आग जितनी तकलीफ नहीं देता है उतनी तकलीफ देता है मुंह से निकला हुआ शब्द। संदेह रूपी दीमक को अपने रिश्तों में न लगने दें। आत्मा को पवित्र बनाने का प्रयास करना चाहिए। **Art** के सूत्र को अपनाकर हमें रिश्तों का संरक्षण करना है।

साध्वीश्री ऋद्धिप्रज्ञाजी ने प्रशिक्षण देते हुए **Power of forgiveness** के बारे में जानकारी प्रदान की एवं स्टोरी के माध्यम से विषय पर प्रकाश डाला। सत्र का संचालन रा.का.स. श्रीमती नीतू पटावरी ने एवं आज्ञार ज्ञापन श्रीमती विनीता बैंगानी ने किया।

चतुर्थ सत्रः संरक्षण : सम-शम-श्रम - सायं 7 से 8 शनिवार की सामायिक के साथ सत्र का प्रारंभ हुआ। संगायिका सुश्री अभिलाषा बांठिया द्वारा तेरापंथ संबोध का संगान किया गया। चौबीसी क्विज प्रतियोगिता नवीन विधा से ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, राकास श्रीमती शिल्पा बैद, श्रीमती संतोष वेदमूथा द्वारा करवाई गई। प्रतियोगिता में विजेता ग्रुप को सम्मानित किया गया। शाखा मंडलों द्वारा कृत कार्यों का सम्मान किया गया। सत्र का संचालन रा.का.स. श्रीमती अलका बैद, श्रीमती पूर्णिमा गादिया ने एवं आभार ज्ञापन श्रीमती मनीषा बोथरा ने किया।

तृतीय दिवस : 22 सितम्बर, 2024

समापन सत्र- संरक्षणः संगठन के सूत्रों का : साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के सान्निध्य में आयोजित सत्र का शुभारंभ तेममं, उधना के मंगलाचरण से हुआ। साध्वीश्री समताप्रभाजी ने अपने वक्तव्य में एक प्रयोग के माध्यम से बताया कि सब चाहते है मैं आनन्द भरा जीवन जीऊं। ये तब होगा, जब आपका **Attitude** साथ में होगा। हम कृतज्ञता शब्द को जीवन में उतारेंगे। हम कम्पलेन करना छोड़े, धन्यता का अनुभव करें, जो वक्त हमें मिला, उसका सम्मान करे। **Update upgrade** रहना चाहिए- हमें जीवन का लक्ष्य बनाना होगा, आत्मा का उत्थान करना है। **Progress**- ध्यान रखना है हमारा विकास कितना हुआ है। प्रमोद भावना के साथ **Attitude gratitude** जीवन का आधार बने।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने सब के प्रति कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये त्रिदिवसीय राष्ट्रीय महिला अधिवेशन अब समापन की ओर है, जो खुराक हमें मिली है, उसे जीवन में उतारें। अधिवेशन में सहयोगी तेममं, सूरत, प्रवास व्यवस्था समिति, सभी अनुदानदाताओं, रा.का.स. बहिनों एवं सभी प्रतिनिधि बहिनों तथा प्रत्यक्ष-परोक्ष सहयोगी बने सबके प्रति आभार व्यक्त किया। अभातेममं ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी, रा.का.स. श्रीमती मधु देरासरिया, श्रीमती श्रेया बाफना, श्रीमती राखी बैद, श्रीमती पूर्णिमा गादिया का अधिवेशन की सफलता में श्रम मुखर रहा। संरक्षणम्

अधिवेशन की सफलता पर उन सभी सदस्यों के प्रति सम्मान प्रकट किया, जिनका इस अधिवेशन में सहयोग मिला। अधिवेशन में समागत समस्त महिला सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति हेतु सहृदय साधुवाद। तेममं, सूरत की अध्यक्ष **श्रीमती चन्दा भोगर** ने अपने भाव व्यक्त किए।

सत्र को संबोधित करते हुए **साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी** ने फरमाया कि 20वीं शताब्दी को देख अब 21वीं शताब्दी में जी रहे हैं। कितना कुछ बदलते देखा है, महिलाओं की तकदीर और तस्वीर दोनों में ही परिवर्तन देखा है। जीवन शैली पर चिंतन-मंथन कर एक शब्द आया- **'संरक्षणम्'** पर सुरक्षा किसकी- धर्म की, संस्कारों की, संस्था की। सर्वप्रथम सुरक्षा करनी है अपनी आत्मा की, परम पूज्य गुरुदेव भी फरमाते है कि पहला लक्ष्य होना चाहिए आत्मा की सुरक्षा हो। किसी भी कार्य में अशुभता परिलक्षित ना हो, मन, वचन से ऐसा कोई कर्म ना करें, जिससे आत्मा दूषित हो। संस्कार क्या है- संस्कार एक व्यवहार है जो व्यक्ति को एक दूसरे से जोड़ते है। इन संस्कारों का बीजारोपण होता है परिवार रूपी पाठशाला में। बच्चों में संस्कार के बीजारोपण बचपन से ही करें। परिवार के माहौल में परिवर्तन क्यूं हो रहा है, इन पर महिलाएं अवश्य ध्यान दें। संरक्षण करना है बुजुर्गों के सम्मान का। संरक्षण करना है परिवार में सम्बन्धों का। किसी भी संबंधों को जोड़ना आसान है, निभाना आसान नहीं है। रिश्तों में मधुरता लाएं, संबंधों में मिठास हो, माधुर्य हो तो परिवार का वातावरण सरस होगा। बड़े बुजुर्गों की सेवा से भी वंचित ना रहे। बच्चों को ज्ञानशाला भेजें, उनमें धर्म के संस्कार जागृत हो, ऐसा प्रयास करते रहे। देव गुरु, धर्म के प्रति श्रद्धा उत्पन्न हो। मंडल की सुरक्षा करनी है। दुनिया में दो चीजें है जो संस्कार के स्वरूप को बदल सकती है- **1. महिला, 2. कलम।** महिलाओं में अनन्त शक्ति का समावेश है। वह चाहे तो क्या नहीं कर सकती। **गुरुदेव तुलसी** के सपनों को धीरे-धीरे आकार मिल रहा है। महिला समाज प्रगति पथ पर आरोहण कर रहा है। बहिनों का चरित्र और व्यवहार दोनों अच्छा हो। मंडल की पदाधिकारी बहिनें अपने क्षेत्र की बहिनों का सहयोग करे। **मंडल मेरा है, मैं मंडल की हूँ,** इस पंक्ति पर ध्यान दे और इसे अपने पूरे **devotion** और **dedication** के साथ कार्य करें। असफलता से घबराएं नहीं। असफलता ही सफलता की सीढ़ी है। शाखा मंडलों की बहिनों की जिज्ञासाओं का समाधान भी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया। महामंत्री **श्रीमती नीतू ओस्तवाल** ने कृतज्ञता के स्वर को मुखरित करते हुए बताया कि संरक्षणम् सौहार्द का, पुरुषार्थ का, समन्वय का। आपने बताया कि बहिनों हम यहाँ से ढ़ेर सारे अनुभव लेकर जा रहे है जो हमारे लिए उपयोगी है। सत्र का संचालन कोषाध्यक्ष **श्रीमती तरुणा बोहरा** ने किया।

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला

'श्रावक अपने आप से, करे सतत आह्वान।
मैं क्या हूँ? मैं कौन हूँ? क्या मेरी पहचान॥

गणाधिपति श्री तुलसी ने श्रावक को आधार बनाकर लिखा–श्रावक की पहचान क्या है? उसका आचार–विचार, व्यवहार, श्रावकत्व के अनुरूप हो। उसका जीवन सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन, सम्यक् चारित्रयुक्त हो। छः द्रव्य और नौ तत्त्वों की सम्यक् जानकारी प्राप्त कर उन्हें आत्मसात करने से ही श्रावक अपने ज्ञान को पुष्ट कर लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। इसी लक्ष्य की पुष्टि हेतु अभातेममं के तत्वावधान में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में दिनांक 22 व 23 सितम्बर, 2024 को महावीर यूनिवर्सिटी, सूरत में किया गया जिसमें तत्त्वज्ञान के छठे व तेरापंथ दर्शन के पाँचवें वर्ष के 40 परीक्षा केन्द्रों से 76 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारम्भ आचार्य प्रवर के मंगल पाठ से हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने तत्त्वज्ञान/ तत्त्वविज्ञ पाठ्यक्रम की फाइल श्री चरणों में समर्पित की। श्रद्धेया साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभाजी से आशीर्वाद प्राप्त कर मौखिक परीक्षा प्रारम्भ की गई। सायंकालीन सत्र 'जले ज्ञान की ज्योति' विषय पर रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने समागत सभी परीक्षार्थियों का स्वागत और शुभकामनाएं प्रेषित की।

साध्वीवर्या संबुद्धयशाजी ने प्रेरक उद्बोधन में फरमाया– यह विशिष्ट और महत्वपूर्ण उपक्रम है। इसके माध्यम से तेरापंथ को जानने वाले श्रावक–श्राविकाएं तैयार हो रहे है। परम पूज्य आचार्य तुलसी ने लिखा है– श्रावक जिनशासन के अविभाज्य अंग है, वे गति और मति से जिनशासन की शोभा बढ़ा रहे है। अनेकों श्रावक–श्राविकाएं अध्यापन कार्य में लगे हुए हैं, ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही है, जो ज्ञान को बांटने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

साध्वी प्रमुखाश्रीजी ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि तत्त्वज्ञान और तेरापंथ दर्शन ज्ञान का ऐसा माध्यम है, जिससे वैराग्य आता है, चिंतन सम्यक् हो जाता है, गलत काम करते ही कर्म बंधन की बात याद आती है। शुभ–अशुभ कर्मों के बंधन की चेतना तत्त्वज्ञान सीखने से ही जागती है लेकिन ज्ञान की कसौटी तब होती है, जब आप किसी जिज्ञासु व्यक्ति की शंका का समाधान करते है। भगवती व सूयगड़ो के टिप्पण का अध्ययन करे। इससे आपको जानकारी होगी समनस्क कौन है? अमनस्क कौन है? आठ कर्मों को गहराई से जानना है तो जैन दर्शन मनन और मीमांसा, पन्नवणा, भगवती जैसे ग्रन्थों का स्वाध्याय कर ज्ञान को सरल बनाए। तीन शब्द आते है– श्रवण, मनन और निध्यियासन (अवलोकन)। श्रवण करें, मनन करे फिर अवलोकन करें। जो ज्ञान पढ़ा है, उसे आत्मसात कर बांटे, बांटने से ज्ञान बढ़ता है। बहिनें संकल्प करे, मैंने जो पढ़ा है, अब मुझे 5 बहिनों को तैयार करना है। इस **Chain** को आगे बढ़ाना है।

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगाणी ने पाठ्यक्रम संबंधी सम्पूर्ण प्रस्तुति दी और इस योजना से जुड़ने की प्रेरणा दी। इसी सत्र में राष्ट्रीय स्तर पर वरीयता प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगाणी द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगाणी, सम्मान सत्र का संचालन रा.का.स. श्रीमती पूर्णिमा गादिया व सूरत व्यवस्थापिका श्रीमती मीना मेहता द्वारा तथा आभार पूर्व रा.का.स. श्रीमती जयन्ती सिंघी द्वारा किया गया।

दिनांक 23 सितम्बर, 2024 को मंगलपाठ श्रवण के पश्चात 'मैत्री समवसरण' में लिखित परीक्षाओं का आयोजन किया गया। शासनश्री साध्वी जिनप्रभाजी ने फरमाया- ज्ञान का सार आचार है, केवल ज्ञान से मुक्ति नहीं होती। चौदह पूर्वधारी भी निगोद में जा सकता है। अतः ज्ञान के साथ सम्यक् क्रिया का होना आवश्यक है। अब ज्ञान को व्यवहारगत कैसे बनाए, यह सोचना है। हम जिस परिवेश में रहते है, वहाँ हमारा समता रूपी व्यवहार झलकना चाहिए। 14 नियमों के द्वारा संयम का विकास कर सकते है। परिग्रह को कम और प्रमोद भावना को बढ़ाना है। प्रतिदिन एक-दो थोकड़ों का पुनरावर्तन करे, इससे ज्ञान पुष्ट होता है। अपने परिवेश में तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन को जोड़ने का प्रयास करे। परीक्षार्थियों ने साध्वीश्री से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और अपने अनुभव भी सुनाए। कार्यक्रम का कुशल संचालन राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगाणी व आभार श्रीमती संतोष वेदमुथा ने किया।

चीफ ट्रस्टी, इस योजना की निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगाणी ने प्रवचन में पाठ्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए कहा- पूज्य प्रवर की असीम अनुकंपा से लगभग 6500 परीक्षार्थी इस योजना से जुड़ गए है और 800 तत्त्वज्ञान और तेरापंथ दर्शन प्रचेता बन गए है तथा 104 चारित्रात्माएं भी तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रचेता बन गए हैं तथा 35 प्रशिक्षक-प्रशिक्षिकाएं अध्यापन कर निर्जरा का महनीय कार्य कर रहे है। परम पावन गुरुदेव के मंगल आशीर्वाद से दोनों परीक्षाएं सानंद सम्पन्न हो गई। परम पूज्य गुरुदेव ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि अभातेममं के द्वारा ज्ञानात्मक गतिविधि चलाई जा रही है। तत्त्वज्ञान तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम एक समुद्र है, ज्ञानार्थी इसकी गहराई में उतरे। यह एक बहुत अच्छा उपक्रम है। इससे अनेक प्रचेता बने हैं, बन रहे हैं और बनेंगे ऐसी आशा है। अनेक चारित्रात्माएं भी इससे लाभान्वित हो रही है। ज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे है। कुल मिलाकर यह एक ठोस कार्य हो रहा है।

परीक्षक के रूप में निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगाणी, संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगाणी, पूर्व संयोजिका श्रीमती मंजू भूतोड़िया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कनक बरमेचा, परामर्शिका श्रीमती लता जैन, उपासिका श्रीमती उर्मिला सुराणा, रा.का.स. श्रीमती संतोष वेदमुथा, उपासिका श्रीमती पुष्पा बरड़िया, श्रीमती शांति बांठिया, श्रीमती दीपाली सेठिया का पूर्ण सहयोग रहा। आप सभी के प्रति आभार। शिविर आयोजना में रा.का.स. श्रीमती पूर्णिमा गादिया, पूर्व रा.का.स. श्रीमती जयंती सिंघी, श्रीमती मीना मेहता, तेमम, सूरत एवं प्रवास समिति का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। आप सभी के प्रति हार्दिक आभार, कृतज्ञता।

तत्त्वविज्ञ परीक्षाओं का आयोजन

'सा विद्या या विमुक्तये' विद्या वही है, जिससे मुक्ति सधे। इसी पथ की ओर अग्रसर होने के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत दिनांक 24 व 27 अगस्त, 2024 को तत्त्वविज्ञ पाठ्यक्रम की परीक्षाओं का आयोजन हुआ। इन परीक्षाओं के लिए 51 परीक्षा केन्द्रों से 160 फार्म भरे गए और लगभग 145 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसके साथ-साथ 27 चारित्रात्माओं ने तत्त्वविज्ञ एवं 26 चारित्रात्माओं ने तत्त्वज्ञान की परीक्षा दी।

इस पाठ्यक्रम के अध्यापन में समणी चैतन्य प्रज्ञा जी, समणी हिमप्रज्ञा जी, प्रबुद्ध श्रावक श्री सुशील बाफना, श्रीमती पुखराज सेठिया, श्रीमती चंदा दूगड़, श्रीमती पुष्पा मिनी, श्रीमती वीणा श्यामसुखा, श्रीमती चाँद छाजेड़, श्रीमती विद्या बांठिया, श्रीमती पुखराज लुणावत, श्रीमती सुनीता सुराणा, श्रीमती जया बोथरा का सहयोग मिला। आप सभी के प्रति आभार। इस योजना की निर्देशिका श्रीमती पुष्पा बैंगानी, राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगाणी, श्रीमती नवीन पींचा, श्रीमती पूनम बैद, सभी केन्द्र व्यवस्थापिकाओं के श्रम और हमारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सजगता से यह परीक्षाएं सुचारू रूप से सम्पन्न हुई।

तेरापंथ दर्शन एवं तत्त्वज्ञान उपक्रम के लिए आर्थिक सौजन्य हेतु तत्त्वज्ञ श्राविका स्व. रतनी देवी गोठी, श्री सुमती-श्रीमती सुमन गोठी, श्री योगेन्द्र-श्रीमती नीलम गोठी के प्रति आभार, हार्दिक कृतज्ञता।

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षा

अभातेममं के तत्वावधान में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन परीक्षाओं का आयोजन दिनांक 18 व 21 दिसम्बर, 2024 को होगा। अपने क्षेत्र में विराजित परीक्षार्थी चारित्रात्माओं की परीक्षा का वर्ष और जिस क्षेत्र में परीक्षा देंगे, वहाँ का पता, फोन नंबर और ई-मेल एड्रेस 31 अक्टूबर, 2024 तक राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगाणी को अवश्य भेज दें।

श्रीमती कुसुम बैंगाणी, 233, वीर अपार्टमेंट, सेक्टर 13, रोहिणी, दिल्ली-110085, मो.: 8010139367.

कैंसर जागरूकता अभियान

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का एकवर्षीय **'कैंसर जागरूकता अभियान'** आप सभी के सहयोग, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा भावों को उजागर कर देशभर में जागरूकता फैला रहा है। हमारे इस अभियान के कार्यों से प्रभावित हो– देश के ख्यातिलब्ध डॉक्टर्स भी अब इस अभियान से जुड़कर कैंसर जैसे भयावह रोग से बचने और लोगों को इससे सुरक्षित करने के कार्यों से जुड़ रहे है।

अगस्त माह के करणीय कार्य के अंतर्गत **Poster एवं Slogan प्रतियोगिता** रखी गई, जिसमें सभी शाखा मंडलों ने बड़े उत्साह से अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। देशभर से लगभग 300 से भी ज्यादा बहिनों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें प्रत्येक क्षेत्र से एक ही प्रविष्टि मान्य किए जाने के कारण कुल 100 प्रविष्टियाँ कार्यालय में पहुँची, जिसमें **Top 11** का चयन किया गया है। जिनका नामोल्लेख उनके पोस्टर सहित नीचे उल्लेखित है।

सभी चयनित शाखा मंडलों को अभातेमम. की ओर से ढेरों शुभकामनाएं। भविष्य में भी आपका उत्साह, आपका साथ यूँ ही बना रहे, यही मंगल कामना।

संयोजिका : श्रीमती अनिता बरड़िया, 9500464089.

South Delhi

Hyderabad

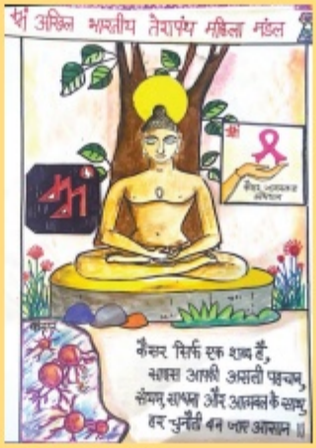

South Kolkata

Kankroli

Raipur

Madurai

Nagpur

Chembur Mumbai

Guwahati

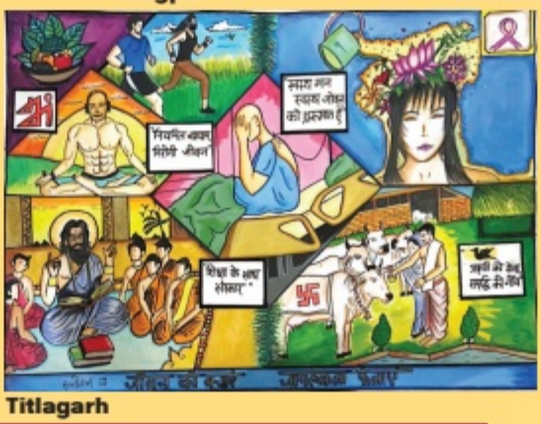
Titlagarh

Coimbatore

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत

माह सितम्बर में श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में सभी क्षेत्रों ने उत्साह-उमंगपूर्वक सहभागिता दर्ज करवायी है। भविष्य में भी इसी रूप में उत्साह प्रदर्शित करते हुए अन्य शाखाएं भी इस महायज्ञ में अपनी आहूति देते हुए अध्यात्म की राह में प्रशस्त होंगे, ऐसा पूर्ण विश्वास है। सभी क्षेत्रों के प्रति खूब-खूब साधुवाद। श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में संबद्ध होने वाली शाखाओं की सूची नीचे दी गई है।

श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में आगामी दिसम्बर व जनवरी माह के तारीख आरक्षण हेतु **Google Form link:**
https://forms.gle/R7C4NvSVARGA2XebA

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें- संयोजिका: श्रीमती नीतू बैद, मो. 9924180371.

श्रृंखलाबद्ध पौषध करने वाले क्षेत्रों की सूची-

दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध	दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध
1 सितम्बर, 2024	सूरत	3090	16 सितम्बर, 2024	बेहाला (वेस्ट बंगाल)	21
1 सितम्बर, 2024	गुड़ियातम	10	17 सितम्बर, 2024	हुबली	9
2 सितम्बर, 2024	यशवंतपुर	15	18 सितम्बर, 2024	कामरेज	11
3 सितम्बर, 2024	राजाजीनगर	18	19 सितम्बर, 2024	नवसारी	10
4 सितम्बर, 2024	साउथ कोलकाता	46	19 सितम्बर, 2024	हैदराबाद	20
5 सितम्बर, 2024	जोधपुर जाटावास	30	20 सितम्बर, 2024	टोहाना	4
6 सितम्बर, 2024	कांकरोली	75	21 सितम्बर, 2024	अमराईवाड़ी	16
6 सितम्बर, 2024	अहमदाबाद	380	22 सितम्बर, 2024	जयगाँव	32
7 सितम्बर, 2024	राजाजी का करेड़ा	5	23 सितम्बर, 2024	पेटलावद	37
7 सितम्बर, 2024	हासन	8	24 सितम्बर, 2024	पर्वत पाटिया	10
8 सितम्बर, 2024	संवत्सरी महापर्व	-	25 सितम्बर, 2024	लूणकरणसर	5
9 सितम्बर, 2024	घाटकोपर	2	26 सितम्बर, 2024	पंचकुला	4
10 सितम्बर, 2024	उधना	13	27 सितम्बर, 2024	बाली बेलूर	2
11 सितम्बर, 2024	केजीएफ	1	27 सितम्बर, 2024	बारडोली	81
12 सितम्बर, 2024	ईस्ट दिल्ली	243	28 सितम्बर, 2024	कुर्ला मुम्बई	23
13 सितम्बर, 2024	लिम्बायत	2	28 सितम्बर, 2024	हिरीयुर	6
14 सितम्बर, 2024	हिंद मोटर	2	29 सितम्बर, 2024	बोरावड़	13
15 सितम्बर, 2024	इस्लामपुर	6	30 सितम्बर, 2024	बंगाईगाँव	6
16 सितम्बर, 2024	श्रीडूंगरगढ़	150	सभी बहिनों के प्रति हार्दिक अनुमोदना-साधुवाद।		

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

प्रतिक्रमण प्रशिक्षण कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित श्रावक प्रतिक्रमण की जानकारी हेतु प्रशिक्षण **Zoom** कार्यशाला का शुभारंभ दिनांक 17 अगस्त, 2024 को हुआ। अभातेममं पूर्व अध्यक्ष, राकास श्रीमती कुमुद कच्छारा ने नमस्कार महामंत्र के उच्चारण एवं शुभकामनाओं से कार्यशाला का शुभारंभ किया। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने कार्यशाला में संभागी सभी व्यक्तियों का स्वागत किया। लगभग 15 दिनों तक यह कार्यशाला चली।

कार्यशाला की मुख्य वक्ता डॉ. पुखराज सेठिया ने अपने वक्तव्य में श्रावक प्रतिक्रमण पर प्रकाश डालते हुए अर्थ सहित समझाया। राकास श्रीमती अनुपमा नाहटा ने सत्र का संचालन करते हुए डॉ. पुखराज सेठिया का परिचय दिया। प्रतिक्रमण की इस **Zoom** कार्यशाला में लगभग 200 भाई-बहिनों ने **Online Class** से जुड़कर कर्म निर्जरा की।

श्री उत्सव

एक कदम स्वावलम्बन की ओर...

An Exhibition to boost Creativity, Homemade Items, Handmade Items & Businesses of Women

Pan India श्री उत्सव के लिए नियमावली

1. **Pan India** श्री उत्सव को आयोजित करने पर शाखा मंडल को अभातेमम. यथोचित सहयोग करेगा। श्री उत्सव के **Logo** एवं बैनर का डिजाइन राष्ट्रीय संयोजिका से प्राप्त किया जा सकता है।
2. **Pan India Level** के श्री उत्सव क्षेत्र दो दिवसीय एवं **air cooled** स्थान में आयोजित करें।
3. शाखा मंडल प्रयास करें कि **Pan India** के लिए न्यूनतम 50 स्टॉल लगाए जाए और स्टॉल का साइज 10x8 **ft.** का हो।
4. **Pan India** आयोजित करने वाले क्षेत्रों को कुल स्टॉल में से कम से कम 30% क्षेत्र के बाहर के स्टॉल रखने होंगे।
5. शाखा मंडलों को एक महीने पूर्व **Pan India** श्री उत्सव की समस्त रूपरेखा **layout** के साथ बाहर के 30% स्टॉल की सम्पूर्ण जानकारी सहित राष्ट्रीय संयोजिका को बतानी होगी।
6. **Pan India** श्री उत्सव का आयोजन संस्था के आर्थिक सुदृढ़ीकरण में भी सहयोगी बन सकता है।

श्री उत्सव के लिए नियमावली

1. श्री उत्सव का आयोजन क्षेत्र की सुविधानुसार वर्ष में दो बार किया जा सकता है।
2. श्रावण-भाद्रव मास में श्री उत्सव का आयोजन न किया जाए।
3. लघु/गृह स्तर पर काम कर रही बहिनों के लिए श्री उत्सव एक सशक्त मंच बने, ऐसा प्रयास करें।
4. श्री उत्सव में हाउजी, रुपयों के खेल, वीडियो गेम आदि के स्टॉल न रखे जाएं। संस्कृतिपरक मनोरंजक खेल के स्टॉल रखे जा सकते है।
5. कोशिश करें कि कन्या मंडल की सहभागिता अवश्य रहे।
6. खाद्य सामग्री में जमीकंद का उपयोग न हो।
7. श्री उत्सव प्रदर्शनी का उद्घाटन स्थानीय क्षेत्र की विशिष्ट महिला द्वारा करवाया जाए। उद्घाटन में किसी भी प्रकार की **Lamp Lighting** का प्रयोग न किया जाए।
8. श्री उत्सव प्रदर्शनी में महिला मंडल की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए एक स्टॉल अवश्य लगाएं, उस स्टॉल पर दायित्व निर्वहन वाली बहिनें मंडल के गणवेश में रहे।
9. आवश्यकतानुसार श्री उत्सव के लिए बैनर बनवाए जा सकते है। बैनर में स्थानीय अध्यक्ष, मंत्री के नाम की अपेक्षा नहीं है।
10. शाखा मंडल श्री उत्सव को **Pan India Level** पर भी कर सकते है, जिसे आयोजित करने में अभातेमम शाखा मंडल को यथोचित सहयोग करेगा। **Pan India Level** के श्री उत्सव क्षेत्र दो दिवसीय आयोजित करने का प्रयास करें एवं किसी बड़े **Air Cooled** स्थान में आयोजित करे।
11. शाखा मंडलों को एक महीने पूर्व श्री उत्सव की समस्त रूपरेखा राष्ट्रीय संयोजिका को बतानी होगी।
12. श्री उत्सव की राष्ट्रीय संयोजिका स्थानीय स्तर पर संयोजिका नहीं बन सकती है।
13. श्री उत्सव का आयोजन संस्था के आर्थिक सुदृढ़ीकरण में भी सहयोगी बन सकता है।

संयोजिका : श्रीमती संगीता बाफना, 9836060000, श्रीमती मनाली चौरड़िया, 8824181044

संस्था को आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करने हेतु सादर आभार

- श्रीमती शशिकला, श्रीमती सुमन, श्रीमती वनीथा नाहर, जाणुदा–बंगलूरू
- श्रीमती सुनीता–स्व. श्री बाबूलाल जी सुराणा, श्रीमती सुनीता–श्री संजय जी सुराणा, राजगढ़–सूरत
- श्रीमती सावित्री देवी–श्री रायचंद जी, श्रीमती मंजूषा–श्री आनन्द, श्रीमती वर्षा–श्री हर्षवर्धन लूणिया, अहमदाबाद
- श्री भंवरलाल–स्व. श्रीमती शांति देवी, श्री सुशील–श्रीमती मधु डागा, गंगाशहर–गुवाहाटी
- श्री सूरजमल, श्री हिम्मत कुमार, श्री राजेश कुमार बैंगानी, परिवार, झझू–पाली–सूरत
- श्री रतनलाल, श्रीमती निधि–श्री आनन्द, श्रीमती नेहा–श्री अमित सेखानी, किरण इंडस्ट्रीज प्रा.लि., बीदासर–सूरत
- श्रीमती सोनम–श्री अनन्त बागरेचा, कोलकाता
- श्रीमती राखी–श्री राजेश, श्रीमती अभिलाषा–श्री मुकेश बैद, लाडनूं–सूरत
- श्रीमती कंचन–श्री श्यामलाल पुनमिया, सेमड़–सूरत
- श्रीमती निशा–श्री विक्रम कोठारी (शिल्प कला), गोगुंदा–सूरत
- श्रीमती लीला देवी–श्री ईश्वरलाल, श्रीमती नीतू–श्री मुकेश जी, श्रीमती निशा–श्री विनोद पालगोता, हुबली–टापरा–सूरत
- श्रीमती सुमन–श्री देवीलाल, श्रीमती मीनल–श्री शैलेश जैन, महक तीर्थ जैनम ग्रुप, सेमड़–सूरत
- श्रीमती लक्ष्मी कुंवर भाई श्री नरेश जी पारीख बाव (मावसरी), सूरत
- स्व. श्री प्रेमचंद जी मातोश्री श्रीमती खम्मा देवी के आशीष श्री माणकचंद जी, श्री नरेश कुमार जी, श्री भूरचंद जी, श्री हिमांशु, श्री गौरव, श्री हर्ष संकलेचा, सूरत
- श्रीमती सोहन–भाई स्व. श्री शंकरलाल जी पुत्र श्री भंवरलाल जी, श्री मन्नालाल, श्री नानालाल, श्री मदनलाल, श्री कैलाश प्रकाश राठौड़, अणुव्रत वाटिका परिवार, रावलिया कलां–सूरत
- श्रीमती ममता–श्री राकेश ढ़ालावत, करदा–सूरत
- श्रीमती कंचन–श्री संजय, श्रीमती ज्योति जैन (श्यामसुखा), कोलकाता
- श्री सुदर्शन पारख परिवार, चैन्नई
- श्री लक्ष्मीलाल–श्रीमती रूपकला, श्री दिनेश–श्रीमती श्रेया, श्री राजेश–श्रीमती सोनू, श्री विमल–श्रीमती मधु, श्री शैलेष–श्रीमती सेजल, श्री कमलेश, बाफना परिवार, उधना–सूरत
- समाज भूषण श्रावक श्री जेसराज जी, श्रीमती सरिता श्री विमल सेखानी, बीदासर–सूरत
- श्रीमती रेणु–श्री नवरत्न मल जी बैद, बीदासर–सूरत
- श्री गौतम चंद जी, श्री कमलेश कुमार–श्रीमती पूर्णिमा, श्री कार्तिक–श्रीमती अनुप्रेक्षा, श्लोक गादिया, पाली–सूरत
- श्री पवन कुमार, श्री संयम मेड़तवाल (विनायक फैशन), राजाजी का करेड़ा, सूरत

शाखाओं हेतु कार्यसमिति गतिविधि एवं साधारण सदन गतिविधि रजिस्टर

शाखा मंडल हेतु कार्यसमिति गतिविधि एवं साधारण सदन गतिविधि के रजिस्टर की जिन भी शाखा मंडलों को आवश्यकता हो, उनसे निवेदन है कि वे लाडनूं कार्यालय में मोबाइल नंबर 7733888138 पर सम्पर्क कर प्राप्त कर लें।

नारीलोक प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

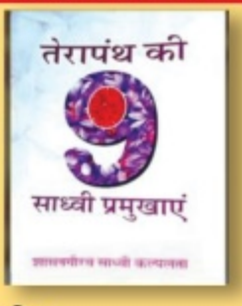

अक्टूबर, 2024

सन्दर्भ पुस्तक : तेरापंथ की 9 साध्वी प्रमुखाएं (पेज संख्या 100 से 135)

निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

1. साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी की प्रेरणा से भगवती सूत्र और उसका टब्बा तथा भगवती जोड़ कौनसी साध्वी ने लिखी?
2. साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी का जन्म कहाँ हुआ?
3. वे कौन थे, जिन्होंने मुनिपतजी के प्रकरण में जयाचार्य के सामने संघभक्ति का परिचय दिया?
4. मातुश्री छोगांजी और साध्वी कानकंवरजी का आपस में क्या संबंध था?
5. साध्वीप्रमुखा कानकंवरजी का आँख का सफल ऑपरेशन कौनसी साध्वी ने किया?
6. साध्वी कानकंवरजी कालू गाँव में चातुर्मास के दौरान रात्रि में किस पर व्याख्यान देती थी?
7. ओसवाल समाज में श्रीडूंगरगढ़ में बसने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?
8. महासती नवलांजी की प्रार्थना पर सप्तमाचार्य डालगणी ने साध्वी कानकंवरजी को अग्रगण्या की वंदना कहाँ पर करवाई?
9. साध्वी कानकंवरजी प्रतिदिन नियमित रूप से कितनी गाथाओं का स्वाध्याय करती?
10. तेरापंथ धर्मसंघ में पाँचवी साध्वीप्रमुखा कौन बनी?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. साध्वी कानकंवरजी उस युग की अच्छी .... और व्याख्यान कला में निपुण साध्वी थी।
12. गुरु का वात्सल्य पा साध्वी .... की मानसिकता खिल उठी और दुगुने जोश के साथ कंठस्थ करने लगी।
13. .... अष्टमाचार्य कालूगणी के मौसेरे भाई थे?
14. जहाँ एक रजोहरण बनाना भी श्रम और समय साध्य काम माना जाता है, वहाँ साध्वी कानकंवरजी ने एक साथ .... रजोहरण बनाकर उत्साह, स्फूर्ति और कला-कौशल का परिचय दिया।
15. इस पर वैराग्य का .... रंग चढ़ा हुआ है। यह अपने निश्चय पर अटल है, इसे आत्म कल्याण करने दो। इसकी साधना में हमको बाधक नहीं बनना चाहिए।
16. बालिका कान के विवेकपूर्ण व्यवहार को देखकर तपस्वी मुनि के मुंह से सहज शब्द निकले- 'बालिका .... और पुण्यवान है।
17. अध्यात्म की अनंत शक्ति जिस आत्मा में होती है, वह .... होती है। उसके सामने देव-दानव सब हार मान लेते हैं।
18. साध्वीप्रमुखा नवलांजी के पावन सान्निध्य में साध्वी कानकंवरजी को .... का प्रशिक्षण व ज्ञानार्जन करने का अनुपम अवसर मिला।
19. उल्लेखनीय है कि कालूगणी के युग तक .... में साध्वियाँ प्रायः आगे-पीछे विहार किया करती थी।
20. साध्वी कानकंवरजी ने सबके मनोबल को इतना .... बना दिया कि वे सब अभय-सी बनी रही और सब में एक नई शक्ति का संचार-सा हो गया।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : संयोजिका : श्रीमती इन्दिरा लुणिया, कटक

Mob.: 9438368264, E-mail: luniaindira@gmail.com

Google Form submit करने की अन्तिम तिथि : 20 अक्टूबर, 2024

Google Form Link : https://forms.gle/nUbMGHyKGdLsQ1Ht9

सितम्बर, 2024 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

1. महासती जेठांजी	2. जोधपुर	3. सं. 1885	4. साध्वीप्रमुखा नवलांजी	5. सवा प्रहर
6. 61 वर्ष	7. साझ या मांडलिया	8. आचार्य तुलसी	9. अनोपचंदजी बाफना	10. कानकुमारी
11. गुलाब सुजस	12. प्रच्छन्न पत्र	13. आराधना	14. द्वितीया	15. आधार-स्तंभ
16. माईदासजी	17. तटस्थता	18. कुशालचंदजी	19. रायचन्दजी	20. बीदासर

सितम्बर 2024 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. दीक्षा डागा, जोकीहाट	2. रुक्मिणी मेहता, खार, मुम्बई	3. सुषमा भादानी, हनुमानगढ़ टाउन
4. नीलम जैन, उचाना मण्डी	5. सुमन नाहटा, दिनहाटा	6. सविता कोठारी, नाथद्वारा
7. पद्मा राकेश सोलंकी, घाटकोपर	8. निर्मला गर्ग, टोहाना	9. सोनल मेहता, वसई
	10. अनोखा जैन, राजनगर	

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्राप्त अनुदान

अनुदान सूची एवं प्रेरणा दाता

1.	श्रीमान भानुकुमार जी–श्रीमती बिमला नाहटा, छापर–मुम्बई	51,000
2.	श्रीमान राजीव–श्रीमती सुचित्रा छाजेड़, रासीसर–बेलडांगा–गुवाहाटी	51,000
3.	श्रीमान सुरेश–श्रीमती प्रिया दूगड़, सूरत–विराटनगर	51,000
4.	तेरापंथ महिला मंडल, कांटाबांजी (भावना सेवा)	5,100
5.	तेरापंथ महिला मंडल, टिटिलागढ़ (भावना सेवा)	5,100
6.	श्रीमती मेम देवी जैन, टिटिलागढ़ (भावना सेवा)	5,100
7.	श्रीमती सावित्री देवी जैन, कांटाबांजी (भावना सेवा)	5,100
8.	तेरापंथ महिला मंडल, भवानीपटना (भावना सेवा)	3,100
9.	तेरापंथ महिला मंडल, सैंताला (भावना सेवा)	2,100
10.	तेरापंथ महिला मंडल, बलांगीर (भावना सेवा)	2,100
11.	तेरापंथ महिला मंडल, रामपुर (पटनागढ़) (भावना सेवा)	2,100
12.	श्रीमती किरण देवी, श्रीमती स्मिता, श्रीमती सीमा जैन, कांटाबांजी (भावना सेवा)	2,100
13.	श्रीमती कौशल्या देवी जैन, कांटाबांजी (भावना सेवा)	2,100
14	तेरापंथ महिला मंडल, बंगोमुण्डा (भावना सेवा)	1,500
15.	तेरापंथ महिला मंडल, जूनागढ़ (भावना सेवा)	1,100
16.	तेरापंथ महिला मंडल, बेलपाड़ा (भावना सेवा)	1,100
17.	श्रीमान प्रमोद –श्रीमती ममता जैन, भवानीपटना (भावना सेवा)	1,100

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं 341 306 (जिला– नागौर, राजस्थान)

श्री नारीलोक

देखने हेतु

www.abtmm.org

www.facebook.com/abtmmjain/

https://bit.ly/abtmmyoutube

महामंत्री कार्यालय

महामंत्री
नीतू ओस्तवाल
5–0–1&2, आर.सी. व्यास कॉलोनी,
सूर्यांश, मदर टैरेसा स्कूल के पास,
भीलवाड़ा–311001 (राज.)
मो.: 9257011205
secretary@abtmm.org

कोषाध्यक्ष कार्यालय

कोषाध्यक्ष
तरुणा बोहरा
203, 204, सांघवी एक्जोटिका,
मराठा कॉलोनी, दहिसर वेस्ट,
मुम्बई–400068
मो.: 8976601717
tarunajain365@gmail.com